# पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
# FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAGRAJ

## MEETING FOR DPR PREPARATION FOR YAMUNA REJUVENATION AT KANPUR BY FRCER, PRAYAGRAJ

**A meeting cum workshop organized for briefing the formats of information sought from Uttar Pradesh Forest Department for the preparation of Detailed Project Report for Rejuvenation of Yamuna river through Forestry Interventions on 16th October 2019 at Chief Conservator of Forest Office, Deendayal Nagar, Kanpur. In workshop forest officials and field level staff from Kanpur Nagar, Kanpur Dehat, Itawa and Auraiya Forest Divisions actively participated.**

**The meeting cum workshop was inaugurated and chaired by Mr. O. P. Singh CCF (Western), UP Forest Department, Kanpur. Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj and Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer for Uttar Pradesh for Yamuna DPR co-chaired the session.**

**Mr. Aravind Yadav (DFO Kanpur Forest Division), Dr. Lalit Kumar Giri (DFO, Kanpur Dehat Forest Division), Mr. Sundersha (DFO, Auraiya Forest Division) and Mr. Satypal (DFO Itawa Forest Division) were participated in workshop. In beginning of Workshop, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj welcomed the participants and presented a brief overview about various aspects of the formats developed by FRI Dehradun for collection of necessary data for different forestry interventions required for preparation of DPR for Yamuna Rejuvenation.**

**Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer (UP) made a detailed presentation of the project and explained about the formats viz. Natural Landscapes, Agricultural Landscape, Urban Landscape, Soil Conservation, Wetland Managements, River Front Development and Other Extension Strategies.**

**Mr. O. P. Singh CCF (Western), UP Forest Department, Kanpur instructed to DFO of all four Forest Divisions and Forest about regarding implementation of the project and allotted a time frame work for collection of the information.**

**The technical session was followed by interactive session with active participation of forest officials and field staff. The queries and doubts raised by the forest officials regarding the format filling clarified by the scientists from FRCER, Prayagraj.**

**The Chair person Mr. O. P. Singh CCF (Western), UP Forest Department, Kanpur, assured to complete the field works within fixed time frame.**

**The workshop ended with vote of thanks by Dr. Kumud Dubey, Scientist, FRCER, Prayagraj.**

<u>**Glimpses of Meeting cum Workshop**</u>

# यमुना को प्रदूषण मुक्त करने की तैयारी

बैठक में वन विभाग के अलावा कई जिलों के संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

**पांच बिंदुओं पर डीपीआर बनाए जाने का लिया गया फैसला**

**कानपुर, देहात, औरैया, इटावा में नदी के किनारे होंगे विकसित**

**एक नजर**

- 40 किमी क्षेत्र में कानपुर में घाटमपुर के पास से होकर गुजरती है। इससे करीब 10 गांव सीधे जुड़े हैं।
- डॉ. कुमुद दुबे को परियोजना का नोडल अधिकारी नामित की गई हैं।
- एफआरआई देहरादून के निदेशक एएस रावत के नेतृत्व में परियोजना का संचालन हो रहा है।

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। गंगा की तरह अब महानगर से होकर जाने वाली यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। पर्यावरण और वन मंत्रालय की तरफ से इसके लिए जल्द ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। बुधवार को इस संबंध में महानगर, देहात, औरैया, इटावा जनपद के अधिकारियों के साथ वन विभाग की बैठक हुई।

तय किया गया है कि यमुना नदी के पानी का प्रदूषण कम करने के लिए पांच बिंदुओं पर काम किया जाएगा। सबसे यह पता किया जाएगा कि यमुना नदी में कितने नाले सीधे गिर रहे हैं, इसका पूरा डाटा तैयार किया जाएगा। नालों के प्रदूषित पानी को किस तरह से शोधित किया जाएगा। इसके लिए बायो फिल्ट्रेशन, रिवरफ्रंट डेवलपमेंट के साथ इसके किनारे इको टूरिज्म के अनुसार विकसित किया जाएगा। आसपास खाली जमीनों, औद्योगिक संस्थानों में पौधे लगाए जाने की भी योजना है। इस योजना को पूरा करने के लिए पांच वर्ष की अवधि भी निर्धारित की गई। डीपीआर में कानपुर, देहात, औरैया, इटावा में नदी के किनारे विकसित करने का खाका तैयार किया जाएगा। बैठक में मुख्य वन सरंक्षक मंडल ओपी सिंह, एफआरआई प्रयागराज विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह, डीएफओ अरविंद कुमार यादव, कानपुर देहात से डॉ. एलके गिरी, औरैया से सुंदेशा और इटावा प्रभागीय वन अधिकारी मौजूद थे।



# प्रदूषण मुक्त होंगी यमुना, बढ़ेगा टूरिज्म

जा सं. कानपुर: गंगा की तरह अब यमुना नदी को भी प्रदूषण से मुक्ति दिलाने की कवायद शुरू कर दी गई है। सर्वप्रथम इटावा, औरैया, कानपुर देहात और कानपुर के ऐसे नालों को चिह्नित किया जा रहा है जो सीधे नदी में गिरते हैं। इन्हें बायोरेमिडिएशन तकनीक से साफ कराया जाएगा। इसके अलावा नदी के दोनों किनारों पर पौधे भी रोपे जाएंगे। ईकोटूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए वन विभाग जल्द ही डीपीआर तैयार करेगा। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ओर से यमुना पुनरुद्धार परियोजना तैयार की गई है। बुधवार को इसकी नोडल अधिकारी (यूपी) डॉ. कुमुद दुबे ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ दीनदयाल नगर स्थित मुख्य वन संरक्षक कार्यालय में बैठक की। इसमें अफसरों ने जानकारी दी कि इटावा और औरैया में कई नाले ऐसे हैं, जिनका पानी सीधे नदी में गिरता है। इसे रोका जाना बहुत जरूरी है। डीएफओ अरविंद यादव ने बताया कि कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा में बहने वाली यमुना नदी में प्रदूषण के स्तर को न्यूनतम करने के लिए डीपीआर तैयार करने पर सहमति बनी है। इसके लिए रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, ईकोटूरिज्म, जैव विविधता केंद्र, वन चेतना केंद्र बनाने भी चर्चा हुई। इसके लिए पांच वर्षों की विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। डीपीआर में नदी के तटों का विकास, भूमि संरक्षण संबंधी कार्यों का भी उल्लेख होगा। बैठक में मुख्य वन संरक्षक ओपी सिंह, डॉ. संजय सिंह, डॉ. एलके गिरी मौजूद रहे।



# यमुना नदी के किनारे लगाए जाएंगे 7.25 लाख पौधे

**गंगा एक्शन प्लान की तर्ज पर यमुना व उसके तटीय क्षेत्र को संवारा जाएगा**

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : जिले की सीमा में बहने वाली यमुना नदी के किनारों को हरा भरा करने का फैसला लिया गया है। लगभग 7.25 लाख पौधे लगाए जाएंगे। यह सब गंगा एक्शन प्लान की तर्ज पर होगा। नदी से दस किमी के दायरे में आने वाली निजी क्षेत्र की भूमि पर लगाने के लिए किसानों को पसंद के पौधे दिए जाएंगे। इसको लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने को सर्वे जल्द शुरू होगा।

जिले में सिकंदरा तहसील के पश्चिम में यमुना नदी का प्रवेश स्थल है। यह नदी दक्षिण पूर्व बहती हुई भोगनीपुर तहसील के मूसानगर यानी मुसानगर क्षेत्र के बाद घाटमपुर कानपुर नगर सीमा में प्रवेश करती है। जिले में नदी का बहाव क्षेत्र लगभग तीस किलोमीटर है। नदियों का पुनरुद्धार सरकार की प्राथमिकता में है। गंगा नदी की तर्ज पर अब यमुना नदी के पुनरुद्धार की योजना है। इतना ही नहीं नदी क्षेत्र के दस किमी के दायरे में पौधारोपण व अन्य सुंदरीकरण के कार्य भी कराए जाएंगे। वन मंत्रालय इस अभियान में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया व इटावा जिले अपने क्षेत्रों में यमुना नदी पुनरुद्धार के लिए अलग-अलग काम करेंगे। कानपुर के दीनदयाल नगर स्थित मुख्य वन संरक्षक कार्यालय में यमुना पुनरुद्धार की रणनीति पर विमर्श किया गया। इस योजना की नोडल अधिकारी वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज की वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने मुख्य वन संरक्षक, कानपुर ओपी सिंह की मौजूदगी में सभी जिला वन अधिकारियों को योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यहां डीएफओ कानपुर देहात डॉ. ललित कुमार गिरी, डीएफओ इटावा सत्यपाल, डीएफओ सुंदेशा यमुना पुनरुद्धार परियोजना से जुड़े संजय सिंह आदि मौजूद रहे। बताया गया कि पांच वर्ष की अवधि में यमुना पुनरुद्धार के तहत काम होंगे। जिन किसानों की निजी भूमि दायरे में आएगी उन्हें हरियाली वृद्धि के लिए पसंद के पौधे निःशुल्क दिए जाएंगे। कानपुर देहात जिले में एक हजार हेक्टेयर भूमि योजना से आच्छादित होने का अनुमान है। प्रति हेक्टेयर 725 पौधे के अनुसार कुल 7.25 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

यमुना एक्शन प्लान के तहत विस्तृत परियोजना आगणन तैयारी को लेकर कानपुर देहात, औरैया व इटावा के डीएफओ की बैठक लेती नोडल अधिकारी डॉ. कुमुद दुबे • जागरण

**पांच बिंदुओं पर होगा काम**

पांच बिंदुओं वाले कार्यों में यमुना को प्रदूषण मुक्त करने प्राथमिकता में है। यमुना नदी में कितने नाले गिर रहे हैं इसका ब्योरा जुटाया जाएगा। पानी प्रदूषित न हो इसके लिए बायो फिल्ट्रेशन रिवरफ्रंट डेवलपमेंट होगा। नदी किनारे इको टूरिज्म का विकास व नदी के आसपास रिक्त भूमि व औद्योगिक संस्थानों में पौधे लगाए जाएंगे। इस सभी कार्यों के लिए पांच वर्ष निर्धारित की गई है।

******************